धित 14 फारम सं0 562

रामाकोन्त झा
बनाम
अशोक भगरिक

आदेश पत्रक

देखे अभिलेख हस्तक, 1914 का नियम 129

आदेश पत्रक ता0 .... तक जिला धनबाद

एम.पी. वाद संख्या........ 676/17 .... धारा.... 107 ......

तिथि	पदाधिकारी का आदेश और हस्ताक्षर	अभ्युक्ति
20.4.17 TR-129/17	...... बैंकमोड़ .... थाना अप्राथमिकी सं0 ..... 21/17 ..... प्राप्त हुआ। अवलोकन किया। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जाँच पदाधिकारी स.अ.नि/अ, नि ने जाँच कर अपना प्रतिवेदन थाना प्रभारी .. बैंकमोड़ .. एवं आ. नि .. बैंकमोड़ .. द्वारा अग्रसरित किया गया है, जिसमें उल्लेख है कि ..... रास्ता को .... को लेकर स्थानिय परिशांति भंग हो सकती है। प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि विपक्षी के कार्यों से कभी भी लोक परिशांति भंग हो सकती है। पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर मैं विपक्षी के विरूद्ध धारा 107 द.प्र.स की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए विपक्षी को निदेश देता हूँ कि वे मेरे न्यायालय में दिनांक ...... 11.5.17 ...... को 10:30 बजे पुर्वाहन में उपरिथत होकर अपना कारण पृच्छा दाखिल करें कि क्यों नही लोक परिशांति बनाये रखने हेतु 5000/– रूपये का दो सम्प्रतिभुतियों के साथ बंधपत्र लिया जाय। लेखापित एवं शंसोधित (हस्ताक्षर) 20/4/17 अनुमंडल दण्डाधिकारी धनवाद (हस्ताक्षर) 20/4/17 अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद	31.5.17 13/6/17 28/6/17 11/7/17 26/7/17 10/8/17 29/8/17 8/9/17 20/9/17 9/10/17 23/10/17 6/11/17 20/11/17 समाप्त

... पत्र की ओर से ... का आवेदन है जिस ———— किया जाता है।
द्वितीय पक्ष कायम है।
द्वि० पक्ष ... ०७।११।१७ को पेश करे।

ह०
२३।१०।१७

०६।११।१७ -

प्रथम पक्ष की ओर से ... का आवेदन है जिसे ———— किया जाता है।
द्वितीय पक्ष कायम है।
द्वि० २०।११।१७

को पेश हो

१४.११.१७

द्वितीय पक्ष के (1) अशोक यादव (2) R.D. Yadab (3) मनोरंजन यादव (4) ... अग्रवाल न्यायालय में उपस्थित होकर बन्धपत्र के साथ ... आवेदन दाखिल किया है, जिसे स्वीकृत किया जाता है।
अग्रि०

को रखे,

ह०
१४।११।१७

२०।११।१७
...

प्रथम पक्ष की हाजरी है
द्वितीय पक्ष 1/3 की हाजरी है ... का आवेदन है जिसे ———— किया जाता है
... के अन्दर ... की कार्यवाही ... कार्यालय में ... की जाती है

ह०
२०।११।...

Digitally signed by PREM KUMAR TIWARY
Date: 2023.08.23 16:21:40 +05:30
Location: 192.168.29.44

Scanned with OKEN Scanner